CAREERS360

PREPARATION Series

CGBSE Class 12

History Syllabus

परिशिष्ट A

पाठ्यक्रम संरचना
सत्र – 2023–24
कक्षा – XII
विषय – इतिहास (101)

कुल अंक– 100

सैद्धांतिक–80
प्रायोजना–20

क्रमांक	इकाई एवं पाठ्यवस्तु		आबंटित अंक
I.	भाग – एक–भारतीय इतिहास के कुछ विषय –I [ई.1–4]		24
	भूमिका		
1.	ईटे, मनके तथा अस्थियां : हड़प्पा सभ्यता		
2.	राजा, किसान और नगर : आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएँ		
3.	बंधुत्व, जाति तथा वर्ग : आरंभिक समाज		
4.	विचारक, वि वास और इमारते : सांस्कृतिक विकास		
II.	भाग – दो भारतीय इतिहास के कुछ विषय – II [ई.5–9]		24
5.	यात्रियों के नजरियें : समाज के बारे में उनकी समझ		
6.	भक्ति–सूफी परम्पराएँ : परंपराएँ, धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ		
7.	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर		
8.	किसान, जमींदार और राज्य – कृषि, समाज एवं मुगल साम्राज्य		
9.	राजा/शासक और विभिन्न वृतांत : मुगल दरबार		
III.	भाग–तीन भारतीय इतिहास के कुछ विषय–III [ई.10–12]		27
10.	उपनिवेशवाद और देहात : सरकारी अभिलेखों का अध्ययन	10	
11.	विद्रोही और राज्य : 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान		
12.	औपनिवेशिक शहर : नगरीकरण/नगर–योजना, स्थापत्य		
	भारतीय इतिहास के कुछ विषय–IV [ई.13–16]		
13.	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आंदोलन : संविनय अवज्ञा और उससे आगे	17	
14.	विभाजन को समझना : राजनीति, स्मृति, अनुभव		
15.	संविधान का निर्माण : एक नये युग की शुरूआत		
16.	दक्षिण कोशल : छत्तीसगढ़ का इतिहास प्रागैतिहासिक काल से 1741 ईसवी तक		
नक्शा कार्य			05
		योग	80
		प्रोजेक्ट	20
		महायोग	100

1. पाठ्यक्रम पूर्ववत यथावत
2. अंकविभाजन संशोधित

CAREERS360

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर

पाठ्यक्रम (2019–20)
कक्षा 12वीं
विषय – इतिहास (101)

पूर्णांक 100 अंक

सैध्दांतिक 80 अंक
प्रायोगिक 20 अंक

इकाई	विषयवस्तु	आवंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

भाग I : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 1–4) (24 अंक) 55

1. ईंटें, मनके तथा अस्थियाँ– हड़प्पा सभ्यता 13

आरंभ, निर्वाह के तरीके – कृषि प्रौद्यौगिकी, मोहनजोदड़ों– नालों का निर्माण, गृह स्थापत्य, दुर्ग सामाजिक भिन्नताओं का अवलोकन– शवाधान, 'विलासिता' की वस्तुओं की खोज शिल्प उत्पादन के विषय में जानकारी– उत्पादन केन्द्रों की पहचान, माल प्राप्त करनें संबंधी नीतियाँ– उपमहाद्वीप तथा उसके आगे से आने वाला माल, सुदुर क्षेत्रों से संपर्क, मुहरें, लिपि तथा बाट– मुहरें और मुद्रांकन, एक रहस्यमय लिपि, बाट, प्राचीन सत्ता– प्रासाद तथा शासक सभ्यता का अंत, हड़प्पा सभ्यता की खोज– कर्निघम का भ्रम, एक नवीन प्राचीन सभ्यता, नयी तकनीकें तथा प्रश्न, अतीत को जोड़कर पूरा करनें की समस्याएँ– खोजों का वर्गीकरण, व्याख्या की समस्याएँ।

2. राजा, किसान और नगर 14

आरंभिक राज्य और अर्थ व्यवस्थाए(लगभग 600 ई.पू. से 600 ई.)–

प्रिंसेप और पियदस्सी, प्रारंभिक राज्य– सोलह महाजनपद, मगध, एक आरंभिक साम्राज्य – मौर्यवंश के बारें में जानकारी प्राप्त करना, साम्राज्य का प्रशासन, मौर्य साम्राज्य कितना महत्वपूर्ण, राजधर्म के नवीन सिद्धान्त– दक्षिण के राजा और सरदार, दैविक राजा, बदलता हुआ देहात– जनता में राजा की छवि, उपज बढाने के तरीके, ग्रामीण समाज में विभिन्ताएँ, नगर एवं व्यापार– नये नगर, नगरीय जनसंख्या, उपमहाद्वीप और उसके बाहर का व्यापार, सिक्के और राजा, मूल बातें– ब्राह्मी लिपि का अध्ययन, खरोष्ठी लिपि का पाठन, अभिलेखों से प्राप्त ऐतिहासिक साक्ष्य अभिलेख साक्ष्य की सीमा।

3. बंधुत्व, जाति तथा वर्ग –

आरंभिक समाज (लगभग 600 ई.पू. से 600 ईसवी) 14

महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण, बंधुता एवं विवाह– परिवारों के बारें में जानकारी, पितृवंशिक व्यवस्था के आदर्श, विवाह के नियम, स्त्री का गोत्र, माताएँ महत्वपुर्ण थी सामाजिक विषमताएँ– उचित जीविका, अक्षत्रिय राजा, जाति और सामाजिक गतिशीलता, एकीकरण, अधिनता और संघर्ष, जन्म के परे– संपत्ति पर स्त्री और पुरूष के भिन्न अधिकार, वर्ण और संपत्ति के अधिकार, संपत्ति में भागीदारी, सामाजिक विषमताओं की व्याख्या, साहित्यिक स्त्रोतों का इस्तेमाल– इतिहासकार और महाभारत, भाषा एवं विषय वस्तु, लेखक और तिथियाँ, सदृशता की खोज एक गतिशील ग्रंथ।

4. विचारक विश्वास और इमारतें

सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)– 14

साँची की एक झलक, पृष्ठभूमि– यज्ञ और विवाद, यज्ञों की परम्परा, नयें प्रश्न, वाद विवाद और चर्चाएँ, लौकिक सुखों से आगे– महावीर का संदेश, जैन धर्म का विस्तार, बुद्ध और ज्ञान की खोज, बुद्ध की शिक्षाएँ, बुद्ध के अनुयायी, स्तूप– क्यों बनाएँ जाते थें, कैसे बनाएँ, गये, संरचना स्तूपो की खोज, मूर्तिकला– पत्थर में गढी कथाएँ, उपासना के प्रतीक लोक परंम्पराएँ, नयी धार्मिक परंपराएँ– महायान बौद्ध मत का विकास, पौराणिक हिन्दु धर्म का उदय, मंदिरों का निर्माण, क्या हम सब कुछ देख–समझ सकते हैं ? [illegible]

CAREERS360

इकाई	विषयवस्तु	आवंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
	भाग II : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 5–9) (24 अंक)		65
5.	यात्रियों के नजरिए– समाज के बारे में उनकी समझ (लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)–		13
6	भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ– धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ (लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)–		13
7.	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर (लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)–		13
8.	किसान, ज़मींदार और राज्य– कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी तक)–		13
9.	शासक और इतिवृत्त : मुग़ल दरबार (लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सताब्दियाँ)–		13

भाग II : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 5–9) (24 अंक) 65

5. **यात्रियों के नजरिए– समाज के बारे में उनकी समझ** 13

(लगभग दसवीं से सत्रहवीं सदी तक)–

भूमिका, अल–विरूनी तथा किताव–उल–हिन्द– ख्वारिज्म से पंजाब तक, किताव–उल–हिन्द, इब्न बतूता का रिह्ला– एक आरम्भिक विश्व यात्री, जिज्ञासाओं का उपभोग, फ्रांस्वा बर्नियर : एक विशिष्ट चिकित्सक– पूर्व और पश्चिम की तुलना, एक अपरिचित संसार की समझ ; अल–विरूनी तथा संस्कृतवादी परंपरा– समझनें में बाधाएँ और उन पर विजय, अल–विरूनी का जाति व्यवस्था का विवरण, इब्न बतूता तथा अनजाने को जानने की उत्कंठा– नारियल तथा पान, इब्न बतूता और भारतीय शहर, संचार के एक अनूठी प्रणाली, बर्नियर तथा "अपविकसित" पूर्व– भूस्वामित्व का प्रश्न, एक अधिक जटिल सामाजिक सच्चाई, महिलाएँ: दासियाँ, सती तथा श्रमिक।

6 **भक्ति–सूफ़ी परंपराएँ– धार्मिक विश्वासों में बदलाव और श्रद्धा ग्रंथ**

(लगभग आठवीं से अठारहवीं सदी तक)– 13

धार्मिक विश्वासों और आचरणों की गंगा–जमुनी बनावट– पूजा प्रणालियों का समन्वय, भेद और संघर्ष, उपासना की कविताएँ– प्रारंभिक भक्ति परंपरा– तमिलनाडु के अलवार और नयनार संत, जाति के प्रति दृष्टिकोण, स्त्री भक्त, राज्य के साथ संबंध, कर्नाटक की वीरशैव परंपरा, उत्तरी भारत में धार्मिक उफ़ान, दुशाले के नए ताने–बाने: इस्लामी परंपराएँ– शासकों और शासितों के धार्मिक विश्वास, लोक प्रचलन में इस्लाम, समुदायों के नाम, सूफ़ीमत का विकास– ख़ानक़ाह और सिलसिला, ख़ानक़ाह के बाहर, उपमहाद्वीप में चिश्ती सिलसिला– चिश्ती ख़ानकाह में जीवन, चिश्ती उपासना . ज़ियारत और कव्वाली, भाषा और संपर्क, सूफ़ी और राज्य, नवीन भक्ति पंथ– उत्तरी भारत में संवाद और असहमति– दैवीय वस्त्र की बुनाई : कबीर, बाबा गुरूनानक और पवित्र शब्द, मीराबाई, धार्मिक परंपराओं के इतिहासों का पुनर्निर्माण।

7. **एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर** 13

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)–

हम्पी की खोज, राय, नायक तथा सुलतान– शासक और व्यापारी, राज्य का चरमोत्कर्ष तथा पतन, राय तथा नायक, विजयनगर: राजधानी तथा उसके परिप्रदेश– जल संपदा, किलेबंदियाँ तथा सड़कें, शहरी केन्द्र, राजकीय केन्द्र– महानवमी डिब्बा, राजकीय केन्द्र में स्थित अन्य भवन, धार्मिक केन्द्र– राजधानी का चयन, महलों, गोपुरम् और मण्डप, महलों, मन्दिरों तथा बाजारों का अंकन– उत्तरों की खोज में प्रश्न।

8. **किसान, ज़मींदार और राज्य– कृषि समाज और मुग़ल साम्राज्य**

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सदी तक)– 13

किसान और कृषि उत्पादन– स्त्रोतों की तलाश, किसान और उसकी जमीन, सिंचाई और तकनीक, फसलों की भरमार, ग्रामीण समुदाय– जाति और ग्रामीण माहौल, पंचायतें और मुखियाँ, ग्रामीण और दस्तकार, एक छोटा गणराज्य कृषि समाज में महिलाएँ, जंगल और कबीले– बसे हुए गांवों के परे, जंगलों में घुसपैठ जमींदार, भू–राजस्व प्रणाली, चाँदी का बहाव, अबुल फ़ज़्ल की आइन–ए–अकबरी।

9. **शासक और इतिवृत्त : मुग़ल दरबार** 13

(लगभग सोलहवीं और सत्रहवीं सताब्दियाँ)–

भूमिका, मुग़ल शासक और उनका साम्राज्य, इतिवृत्तों की रचना– तुर्की से फारसी की ओर, पाण्डुलिपियों की रचना, रंगीन चित्र, अकबरनामा और बादशाहनामा, आदर्श राज्य– एक दैवीय प्रकाश, सुलह–ए–कुल, सामाजिक अनुबंध के रूप में न्यायपूर्ण प्रभुसत्ता, राजधानियाँ और दरबार– राजधानी नगर, मुगल दरबार पदवियाँ, उपहार और भेंट शाही परिवार, शाही नौकरशाही– भर्ती प्रक्रिया तथा पद, सूचना तथा

CAREERS360

इकाई	विषयवस्तु	आवंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड

साम्राज्य केन्द्र से परे. प्रांतीय प्रशासन सीमाओं के परे– सफावी और कंधार. ऑटोमन साम्राज्य. मुगल दरबार में जेसुइट धर्म प्रचारक. औपचारिक धर्म पर प्रश्न उठाना।

भाग III : भारतीय इतिहास के कुछ विषय (ई. 10–15) (27 अंक)

10. उपनिवेशवाद और देहात– सरकारी अभिलेखों का अध्ययन 11

भूमिका. बंगाल और वहाँ के ज़मींदार– बर्दमान में की गई नीलामी की एक घटना. अदा न किए गए राजस्व की समस्या. राजस्व राशि के भुगतान में जमींदार क्यों चूक करते थे. जोतदारों का उदय. ज़मींदारों की ओर से प्रतिरोध. पाँचवी रिपोर्ट कुदाल और हल– राजमहल की पहाड़ियों में. संथाल. बुकानन का विवरण. देहात में विद्रोह– बम्बई दक्कन. लेखा बहियाँ जला दी गई. एक नयी राजस्व प्रणाली. राजस्व की माँग और किसान का कर्ज. फिर कपास में तेजी आई. ऋण का स्त्रोत सूख गया. अन्याय का अनुभव. दक्कन दंगा आयोग।

11. विद्रोही और राज– 1857 का आंदोलन और उसके व्याख्यान 11

भूमिका. विद्रोह का ढर्रा– सैन्य विद्रोह की शुरूआत. संचार के माध्यम. नेता और अनुयायी. अफ़वाहे और भविष्यवाणियां. अफवाहो में विश्वास कारण अवध में विद्रोह– संपूर्ण विद्रोही क्या चाहते थे?– एकता की कल्पना. उत्पीड़न के प्रतीकों के खिलाफ. वैकल्पिक सत्ता की तलाश दमन. विद्रोह की छवियाँ– रक्षकों का अभिनन्दन. अंग्रेज औरतें और ब्रिटेन की प्रतिष्ठा. प्रतिशोध और सबक. दहशत का प्रदर्शन. दया के लिए कोई जगह नहीं. राष्ट्रवादी दृश्य कल्पना.

12. औपनिवेशिक शहर– नगरीकरण, नगर–योजना, स्थापत्य 11

पूर्व औपनिवेशिक काल में कस्बे और शहर– कस्बों को उनका चरित्र कैसे मिला? अठारहवी शताब्दी में परिवर्तन. औपनिवेशिक शहरों की पड़ताल– औपनिवेशिक रिकॉर्ड्स और शहरी इतिहास. बदलाव के रूझान. नए शहर कैसे थे? – बन्दरगाह. किले और सेवाओं के केन्द्र. एक नया शहरी परिवेश. पहला हिल स्टेशन. नये शहरों में सामजिक जीवन. पृथक्करण. नगर नियोजन और भवन निर्माण– मद्रास में बसावट और पृथककरण. कलकत्ता में नगर नियोजन. बम्बई में भवन निर्माण. इमारतें और स्थापत्य शैलियाँ क्या बताती हैं?

13. महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन 11
(सविनय अवज्ञा और उससे आगे)

स्वंय की उद्घोषणा करता एक नेता. असहयोग की शुरूआत और अंत– एक लोकप्रिय आंदोलन की तैयारी. जननेता नमक सत्याग्रह– दाण्डी. संवाद. भारत छोड़ो. आखिरी. बहादुराना दिन. गाँधी को समझना– सार्वजनिक स्वर और निजी लेखन. छवि गढना. पुलिस की नजर में. अखबारों से।

14. विभाजन को समझना– राजनीति, स्मृति, अनुभव 12

बँटवारे के कुछ अनुभव, ऐतिहासिक मोड़– बँटवारा या महाध्वंस. रूढ़ छवियों की ताकत. विभाजन क्यों और कैसे हुआ ?– एक लंबे इतिहास का अंतिम चरण. 1937 में प्रांतिय चुनाव और कांग्रेस मंत्रालय. पाकिस्तान का प्रस्ताव. विभाजन का अचानक हो जाना. युध्दोत्तर घटनाक्रम. विभाजन का एक संभावित विकल्प. कानून व्यवस्था का नाश– महॉत्मा गॉधी एक अकेले फौज. बँटवारे में औरतें– औरतों में "बरामदगी". "इज्जत" की रक्षा. क्षेत्रीय विविधताएँ. मदद. मानवता. सद्भावना. मौखिक गवाही और इतिहास।

15. संविधान का निर्माण–एक नए युग की शुरूआत 12

उथल–पुथल का दौर– संविधान सभा का गठन. मुख्य आवाजें. संविधान की दृष्टि– लोगों की इच्छा. अधिकारों का निर्धारण– पृथक निर्वाचिका की समस्या. "केवल इस प्रस्ताव से काम चलने वाला नही है". "हमें हजारों साल तक दबाया गया है". राज्य की शक्तियाँ– "केन्द्र बिखर जाऐगा". "आज हमें एक शक्तिशाली सरकार की आवश्यकता है" राष्ट्र की भाषा– हिन्दी की हिमायत. वर्चस्व का भय

16. दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) का इतिहास 12
(प्रागैतिहासिक काल से 1741 ई. तक)

भौगोलिक स्थिति. वर्षा. मिट्‌टी. मौसम. क्षेत्रफल. जिले एव संभाग. वन. छत्तीसगढ़ की प्रमुख नदियाँ. खनिज संपदा. कृषि. उद्योग. छत्तीसगढ़ का नामकरण।

इकाई	विषयवस्तु	आवंटित अंक	निर्धारित कालखण्ड
	दक्षिण कोसल (छत्तीसगढ़) के प्रमुख राजवंश– (प्रागैतिहासिक काल से 1741 ई. तक) –ऐतिहासिक परिचय रामायण काल, बौद्धकाल (ईसा पूर्व छठी शताब्दी), मौर्यकाल, सातवाहन काल गुप्त काल, नल वंश, शरभपुरीय वंश, पाण्डु/सोम वंश, महाशिवगुप्त बालार्जुन, छिंदक नागवंश, कवर्धा का फणि नागवंश, कांकेर का सोमवंश, रतनपुर का कल्चुरि (हैहय) राजवंश (990–1741ई.), कलिंगराज (990 से 1020 ई.),कमलराज (1020 से 1045 ई.),रत्नदेव/रत्नराज प्रथम (1045 से 1065 ई.), पृथ्वीदेव प्रथम (1065 से 1090 ई.), जाजल्लदेव प्रथम (1090 से 1120 ई.) रत्नदेव द्वितीय (1120 से 1135 ई.), पृथ्वीदेव द्वितीय (1135 से 1165 ई.), जाजल्लदेव द्वितीय (1165 से 1168 ई.), जगदेव (1168 से 1178 ई.), रतनदेव तृतीय (1178 से 1198 ई.), प्रतापमल्ल (1198 से 1225 ई.),अंधकारयुग, कल्याणसाय (1544 से 1581 ई.), तख्तसिंह, राजसिंह(1689 से 1712 ई.), सरदार सिंह (1712 से 1732 ई.), भोंसलो का आक्रमण रघुनाथ सिंह (1732 से 1743 ई.), कलचुरि शासन का अंत, कलचुरी कालीन शासन व्यवस्था, सामाजिक स्थिति, आर्थिक स्थिति, छत्तीसगढ़ में धार्मिक गतिविधियाँ– वैष्णव मत, शैव मत, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, कबीर पंथ, सतनामी पंथ, इस्लाम धर्म, ईसाई धर्म, शिक्षा, साहित्य एवं भाषा, कला एवं स्थापत्य, चित्रकला, मंदिर वास्तु, सिरपुर का लक्ष्मण मंदिर, भोरमदेव का मंदिर।		
17	नक्शा कार्य–	05	10
	योग	80	210
	प्रायोजना	20	10
	महा योग	100	220

CAREERS 360

परिशिष्ट – B

प्रायोजना कार्य की मूल्यांकन योजना
सत्र – 2023–24
कक्षा – XII
विषय – इतिहास (History)
Subject Code – (101)
प्रायोजना कार्य (Project Work)

समय : 02 घण्टे

अंक : 20 अंक

स.क्र.	विषयवस्तु	अंक
1.	प्रायोजना रिकार्ड	05
2.	प्रायोजना कार्य/परीक्षा	10 अंक
	(i) स्पष्टीकरण/व्याख्या	03
	(ii) प्रस्तुतीकरण	03
	(iii) आकड़ो की गणना/नक्शा कार्य	03
	(iv) संदर्भ	01
3.	मौखिक (Viva)	05
	कुल अंक (Total)	20

CAREERS360